सर्वहारा दृष्टिकोण

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) का मुखपत्र (पाक्षिक)

वर्ष-29 अंक-10 22 मई से 5 जून, 2014 मुख्य संपादक - कॉमरेड कृष्ण चक्रवर्ती मूल्य : 1 रुपये

लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद डीजल के दामों में नाजायज भारी बढ़ोतरी का

एसयूसीआई(सी) ने किया विरोध

15 मई 2014 को एसयूसीआई(सी) के महासचिव कॉमरेड प्रभाष घोष ने निम्नलिखित बयान जारी किया:

लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद 'चुनाव उपहार' के रूप में खुदरा डीजल दर में 1.27 रु. प्रति लीटर की अति अन्यायपूर्ण भारी बढ़ोतरी का हम पुरजोर विरोध करते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इससे महंगाई और बढ़ेगी, ट्रांसपोर्ट लागत में बढोतरी होगी और उन किसानों के लिए ईंधन तेल महंगा हो जाएगा जो सिंचाई के लिए पम्पों का इस्तेमाल करते हैं। इस प्रकार पहले से ही बढ़ती महंगाई की मार झेल रहे आदमी का खून और भी बड़े पैमाने पर निचोड़ा जाएगा जिससे जीना और भी दूभर हो जाएगा। फेज दर फेज पेट्रोल-डीजल कीमतों को नियंत्रण मुक्त करने के नितांत जनविरोधी फैसले का अनुसरण करते हुए आयल मार्किटिंग कम्पनियां 17 जनवरी 2013 से ही डीजल की कीमतें 50 पैसे प्रतिमाह की दर से बढ़ा रही है। सिर्फ चुनावों से पहले लोक लुभावन कदम के तौर पर अस्थाई रूप से लगभग दो महीने के लिए इस क्रम में व्यवधान हुआ था। विशेष रूप से अक्सर दोहराए जाने वाला बहाना यही है कि तेल की कीमतें इसलिए बढ़ानी जरूरी हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही है और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का निरन्तर अवमूल्यन हो रहा है इस बार ये तर्क बेमानी हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम घट रहे हैं और पिछले तीन हफ्ते से रुपया मजबूत हो रहा है। 'तेल कम्पनियों द्वारा अण्डर रिकवरीज' का हौवा और मिथक जिसे ईंधन तेल की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है लोगों के साथ धोखा करने जैसा है क्योंकि 'अण्डर रिकवरी' किसी घाटे को इंगित नहीं करती है बल्कि यह मात्र एक काल्पनिक गणना है जो अनुमानित आयात समानता मूल्य निर्धारण पर आधारित है जिसका उद्देश्य मुनाफा लूटू तेल दैत्यों को फायदा पहुँचाना है।

हम मांग करते हैं कि बढ़ोतरी को तुरन्त वापस लिया जाए, नियंत्रण हटाने की नीति को पल्टा जाए और लोगों से आह्वान करते हैं कि संगठित सशक्त आन्दोलन के दबाव के जरिए इन जायज मांगों को मानने के लिए सरकार को मजबूर किया जाए।

जयनगर लोकसभा क्षेत्र के 98 बूथों पर पुनर्मतदान कराने की मांग करते हुए डॉ. तरुण मण्डल ने लिखा चुनाव आयोग को पत्र

सेवा में,
चुनाव अधिकारी
19 जयनगर (सु) लोकसभा क्षेत्र
पश्चिम बंगाल
श्रीमान जी,

जैसा कि अंदेशा था और सभी सम्बन्धित अधिकारियों जैसे कि स्पेशल सुपरवाइजर, पश्चिम बंगाल, मुख्य चुनाव अधिकारी, 19 लोकसभा सीट के जनरल आब्जर्वर, जिला मजिस्ट्रेट, दक्षिण 24 परगना और ए.पी. दक्षिण 24 परगना के नोटिस में भी लाया गया था कि मतदान के समय से ही वि.स. क्षेत्र 139 केनिंग पूर्व, वि.स. क्षेत्र 139 केनिंग पश्चिम, वि. स. क्षेत्र 129 बासंती और वि.स. क्षेत्र 141 मगराहाट में व्यापक पैमाने पर धांधली और बूथ कैप्चरिंग हुई है। जो बूथ प्रभावित हुए हैं उनके नम्बर हैं:

वि.स.क्षेत्र 139 केनिंग पश्चिम: बूथ न. 3,4,5,6,7,8,9.

वि.स.क्षेत्र 138 केनिंग पूर्व: बूथ न. 38, 41, 49, 50, 55, 56, 70, 72, 73, 74, 81, 82, 86, 116, 117, 135, 136, 137, 144, 145, 152, 153, 155, 156, 157, 160, 161, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 176, 179, 181, 185, 186, 187, 188, 191, 209, 210, 211, 212, 213, 217, 218, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 237, 240, 241.

वि.स.क्षेत्र बासंती (सु): बूथ न. 6, 7, 15, 16, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70.

वि.स.क्षेत्र मगराहाट पूर्व: बूथ न. 144, 145, 146, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165.

यह अत्यन्त व्याकुल कर देने वाला तथ्य है कि इनमें से ज्यादातर जगहों पर चुनाव अधिकारियों और केन्द्रीय पुलिस बल के कर्मियों के खाने और रहने-सहने का ध्यान रखने के लिए सरकार की ओर से कोई इंतजाम नहीं था। वे असल में स्थानीय शासक पार्टी के अपराधियों के रहमो-करम पर छोड़ दिए गए थे जिन्होंने मतदान की तारीख से पहली वाली रात से ही उनकी जरूरतों का ध्यान रखने का काम संभाल लिया था। नतीजतन, वे शासक पार्टी के अपराधियों के बंदी होने की अवस्था में थे। इसलिए उन बूथों में व्यापक पैमाने पर वोटों की धांधली के तमाम गैर कानूनी कार्यों में लिप्त तमाशबीन बने रहे। यह निष्पक्षता के सिद्धान्त का घोर उल्लंघन है जिस निष्पक्षता का पालन करने की चुनाव मशीनरी से अपेक्षा की जाती है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

भारत की प्रथम महिला शहीद प्रीतिलता वाद्देदार को याद किया

मलका गंज (दिल्ली): एआईएमएसएस की दिल्ली राज्य कमेटी के द्वारा मलका गंज में शहीद प्रीतिलता वाद्देदार के जन्मदिवस के अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में इलाके से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व महिलाएं मौजूद थीं। सभा की शुरूआत शहीद प्रीतिलता वाद्देदार के फोटो पर माल्यार्पण के साथ हुई। सभा का संचालन एआईएमएसएस की सचिव मण्डल सदस्य कॉ. आशा रानी ने किया। एआईएमएसएस दिल्ली राज्य सचिव कॉ. रितु कौशिक सभा की मुख्य वक्ता थीं। उन्होंने कहा कि 16 दिसम्बर के बाद देश भर में होने वाले आन्दोलन के बाद ऐसा लगा था कि शायद अब महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों में कमी आएगी। आन्दोलन के दबाव में हालांकि कुछ प्रशासनिक सुधार तो अवश्य हुए हैं लेकिन महिलाओं की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है देश की महिलाओं द्वारा शहीद प्रीतिलता के जीवन-संघर्ष से सीख लेकर तथा अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा लेकर और अधिक जुझारू सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन खड़ा करने की ताकि समाज में महिलाओं पर बढ़ते अपराधों पर रोक लगाई जा सके।

नोर्थ एवेन्यू: एआईएमएसएस की दिल्ली राज्य कमेट द्वारा दिल्ली को नोर्थ एवेन्यू इलाके में शहीद प्रीतिलता वाद्देदार की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। इसका संचालन एआईएमएसएस की दिल्ली राज्य सचिव मण्डल सदस्य कॉ. आशा रानी ने किया। संगोष्ठि में मुख्य चर्चा एसयूसीआई(सी) के दिल्ली राज्य सचिवमण्डल सदस्य कॉ. प्राण शर्मा ने रखी। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले समय की मांग थी कि महिलाएं दमनकारी विदेशी शासकों के खिलाफ पुरुषों के साथ मिलकर लड़ें और उसकी मिसाल पेश की शहीद प्रीतिलता वाद्देदार ने। उन्होंने कहा कि आज भी उनके जीवन से सीख लेकर महिलाओं को वर्तमान पूँजीवादी शोषणकारी व्यवस्था में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष के लिए आगे आने की आवश्यकता है।

बुराड़ी: एआईएमएसएस की बुराड़ी स्थानीय कमेटी द्वारा शहीद प्रीतिलता वाद्देदार के जन्म दिवस पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरूआत शहीद प्रीतिलता की फोटो पर माल्यार्पण के साथ हुई। उसके पश्चात महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सभा का संचालन एआईएमएसएस की स्थाई कमेटी की सचिव कॉ. मीरा चौरसिया द्वारा किया गया। सभा में मुख्य वक्ता थी संगठन की दिल्ली राज्य सचिव कॉ. रितु कौशिक। उन्होंने अपने वक्तव्य में शहीद प्रीतिलता वाद्देदार के जीवन-संघर्ष और वर्तमान समय में महिला आन्दोलन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मई दिवस के शहीदों को किया याद

आज भी शोषण का शिकार हो रहा है मजदूर वर्ग

रोहतक (हरियाणा): आज मई दिवस के मौके पर मानसरोवर पार्क में मजदूर सभा का आयोजन किया गया। कॉ. जिले सिंह, जिला अध्यक्ष, एआईयूटीयूसी, जिला रोहतक ने अपना मुख्य वक्तव्य रखा। उन्होंने मई दिवस के इतिहास पर चर्चा की।

उन्होंने बताया कि आज दुनिया में आठ घण्टे का कार्यदिवस स्वीकृत होने के बावजूद प्राईवेट फक्ट्री, उद्योग, बैंकों, में बारह से चौदह घण्टे तक मजदूर-कर्मचारियों से काम लिया जाता जो सरासर कानून के खिलाफ है। मजदूरों-कर्मचारियों को मई दिवस के इतिहास से सीख लेने की जरूरत है। वर्तमान समस्याओं से निजात पाने के लिए मई दिवस का इतिहास मजदूरों के लिए रोशनी का काम करता है।

इस मौके पर भवन निर्माण मजदूर कारीगरों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। आंगनवाड़ी वर्कर-हैल्परों ने भी हिस्सा लिया। कॉ. जिले सिंह के साथ साथ कॉ. जगदीश, रामनिवास, वेदपाल दांगी, रामपत, बलबीर सिंह, राजकुमार ने भी अपनी बातें रखीं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका यूनियन की जिलाध्यक्ष कॉ. रोशनी ने भी अपनी बात रखी।

जमशेदपुर (झारखण्ड) : मई दिवस पर यहां मजदूरों की एक सभा आयोजित की गई। मई दिवस के बैज पहनाने का कार्यक्रम भी कार्यकर्ताओं द्वारा लिया गया। कॉमरेड गोपाल कुमार, अमित राय, दुलारी मुर्मु, पानो हंसदा, पतित कुइलिया, विजय कुमार, वंदना बैनर्जी, समर महतो, अरुण सिंह, मनीष कुमार, अजय राय, मुकुल मिश्रा आदि भी सभा में उपस्थित रहे।

अशोक नगर: अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर एसयूसीआई(सी) पार्टी द्वारा मजदूरों के महान पर्व मई दिवस के अवसर पर एक जनसभा का आयोजन किया। सभा को सम्बोधित करते हुए पार्टी जिला प्रभारी कॉ. सचिन जैन ने कहा कि आज के दिन अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने संगठित होकर आठ घण्टे काम, आठ घण्टे आराम, आठ घण्टे मनोरंजन की मांग पर आन्दोलन किया था और बड़ी कुर्बानी के बाद जनवादी अधिकार हासिल किए थे। इसलिए दुनिया के तमाम मानसिक व शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों के लिए यह दिन महत्वपूर्ण है। लेकिन आज इस वर्ग विभाजित समाज में पूँजीपति वर्ग द्वारा मेहनतकश वर्ग का शोषण करते हुए रोजाना आठ घण्टे से भी ज्यादा काम लिया जा रहा है। आज मेहनतकश लोग महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा, नशाखोरी से परेशान हैं। धर्म-जाति के नाम पर मजदूरों की एकता को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने मजदूरों का आह्वान किया कि आज के दिन संकल्प लें कि फिर से अपने अधिकारों को हासिल करने और मुक्ति पाने के लिए संगठित होकर सही पार्टी के नेतृत्व में जनआन्दोलन को मजबूत करेंगे। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ सदस्य कॉ. राम सिंह मुंदरया ने भी अपनी बात रखी।

देवास (म.प्र.): मध्य प्रदेश के देवास जिले में 1 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) व डीवाईओ की ओर से स्थानीय सयाजी गेट के सामने सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरूआत मजदूर आन्दोलन को मजबूत करने वाले गीतों से हुई। सभा के मुख्य वक्ता एसयूसीआई(सी) के गुना जिला प्रभारी कॉ. प्रदीप आर.बी. थे। कॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने ने भी सभा को सम्बोधित किया। सभा का संचालन कॉ. वाणी जाधव ने किया।

क्यूबा की राजधानी हवाना में मई दिवस की रैली में शामिल लगभग 6 लाख श्रमिक

जमशेदपुर

देवास

जयनगर लोकसभा क्षेत्र के 98 बूथों पर पुनर्मतदान कराने की मांग

(पृष्ठ 1 का शेष)

2. उनमें से ज्यादातर बूथों में, शासक पार्टी की शह पाए हुए गुण्डे बदमाश जबरन बूथों में घुस आए, मतदाताओं की उंगली पर स्याही का निशान लग जाने के बाद उनका पीछा करते हुए साथ गए और उनकी जगह पर प्रीजाइडिंग अफसरों व अन्य चुनाव अधिकारियों के सामने खुद उनके वोट डाले। इन अधिकारियों ने या तो शासक पार्टी के उम्मीदवार की जानबूझकर तरफदारी करने के ख्याल से या डर की वजह से तमाम रीगिंग आपरेशन में अपनी मौन सहमति दे दी। ''केण्डिडेट के लिए हैण्डबुक'' में घोषित धारा 135ए के मुताबिक यह और कुछ नहीं बल्कि ''किसी के द्वारा चुनाव अधिकारियों से बेलेट पेपर या वोटिंग मशीनें आत्मसमर्पित करवाते हुए मतदान केन्द्र या चुनाव के लिए निश्चित स्थान पर कब्जा करना'', ''केवल खुद या अपने खुद के समर्थकों को ही वोट डालने का अधिकार प्रयोग करने की इजाजत देना और दूसरों को स्वतंत्रता के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने से रोकना या जोर जबरदस्ती करना'' और ''मतगणना स्थल पर कब्जा करना'' है।

3. चूँकि स्थानीय प्रशासन ने इतने बड़े पैमाने पर हुई धांधली, जबरन बूथ कैप्चरिंग, दूसरे के स्थान पर वोट डालकर वोटिंग मशीनों के साथ छेड़छाड़ किये जाने के प्रति एक तरह का निन्दनीय रवैया दिखाया, इसलिए उन बूथों में कोई चुनाव नहीं हुआ बल्कि शासक पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में जबरन वोट डलवाई गई। लिहाजा, पूरी चुनावी कवायद मुक्त और निष्पक्ष चुनाव की धारणा के विरोध में एक हास्यास्पद मामला बन गया है और तयशुदा कायदे-कानून के मुताबिक चुनाव कराने के तमाम दावों को एक उपहास का पात्र सिद्ध कर रहा है।

4. इन तमाम मामलों की कोई निष्पक्ष जांच हमारे उपरोक्त बयानों की सच्चाई को सत्यापित कर देगी। अत: हम मांग करते हैं कि पूरी निष्पक्षता के साथ उपरोक्त वि.स.क्षेत्रों एवं बूथों में पुनर्मतदान कराने के आदेश दिए जाएं और चुनाव को एक उपहास बना देने के लिए जो भी जिम्मेदार हैं उन्हें कड़ी सजा दी जाए।

धन्यवाद

भवदीय
तरुण मण्डल
एसयूसीआई(सी) उम्मीदवार

पीलिया की रोकथाम की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

दुर्ग (छ.ग.): दुर्ग शहर में पीलिया से होने वाली मौतों, दूषित पानी सप्लाई पीलिया फैलने के खिलाफ तथा शुद्ध व पर्याप्त पेयजल सप्लाई, नाली सफाई, नाली के पाइपों को नाली से अलग करने, पीलिया से मृत लोगों के परिवारों को मुआवजा एक-एक करोड़ रुपये देने, इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग को लेकर एसयूसीआई(सी) द्वारा 5 मई को नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। गैर-जिम्मेदार मन्त्रियों के ओछे बयानों के खिलाफ पार्टी की ओर से विरोध दर्ज कराया गया।

6 मई को देवास (म.प्र.) में कक्षा 9वीं एवं 11वीं के खराब परीक्षा परिणाम का विरोध करते छात्र

कॉमरेड पी. नारायणसामी लाल सलाम

कॉमरेड पी नारायणसामी की नेवेली लिगनाइट कॉरपोरेशन (एनएलसी) कस्बे में 5 मई को एक सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। कॉमरेड पी नारायणसामी एसयूसीआई(सी) की नेवेली लोकल आर्गेनाइजिंग कमेटी के सचिव और बिल्लुपुरम-कुड्डालोर जिला सांगठनिक कमेटी के सदस्य तथा ऑल इण्डिया यूटीयूसी की तमिलनाडू राज्य सांगठनिक कमेटी के खजांची एवं इसकी ऑल इण्डिया जनरल काऊंसिल के सदस्य थे।

4 मई की शाम कॉमरेड नारायणसामी एक मोटर साइकिल पर अपनी पुत्री विद्या के साथ एनएलसी टाऊनशिप से मदराकुप्पम स्थित एसयूसीआई(सी) पार्टी कार्यालय जा रहे थे। एक तेजगति से आती कार ने दोपहिया में टक्कर मार दी और विद्या सड़क से तीन मीटर दूर जा गिरी। नियंत्रण खो देने की वजह से कॉमरेड नारायाणसामी दाहिनी तरफ गिरे और जिस दोपहिया को वे चला रहे थे उसके नीचे आ गए। तेजगति की कार में दोपहिया का हैण्डल उलझ गया और पहिया सड़क पर 20 मीटर तक घिसटता चला गया। कार चालक ने कार नहीं रोकी बल्कि तेजी से कार को भगा ले गया। आस-पास जो लोग दुर्घटना को देख रहे थे, वे मदद के लिए दौड़े। उन्हें सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आई, भारी रक्त स्राव हुआ और वे बेहोश हो गए। पहले उन्हें एनएलसी हॉस्पिटल ले जाया गया। फस्ट एड ट्रोमा केयर के बाद, उन्हें तुरन्त पॉण्डीचैरी इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) में शिफ्ट किया गया। डाक्टरों ने बताया कि उनकी हालत बहुत ही नाजुक है। उन्हें आईसीयू में वेण्टीलेटर पर रखा गया। अगले दिन 5 मई को उन्हें हृदयाघात हुआ और उनकी मृत्यु हो गई। उनकी 50 वर्ष की आयु होने मे मात्र 6 दिन बाकी थे।

जीवन के सभी तबकों के लोगों, खदान मजदूरों से लेकर असंगठित मजदूरों तक, एनएलसी इंजीनियरों, कृषि मजदूरों, छात्रों, फिशरमेनों, नौजवानों, राजनीतिक नेताओं, ट्रेड यूनियन नेताओं आदि ने अपनी श्रद्धांजलि दी और कॉमरेडों तथा उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। 6 मई को अपराह्न नेवेली में पूरे क्रान्तिकारी सम्मान के साथ उनका दाह संस्कार किया गया। दुर्घटना की खबर सुन कर पूरे तमिलनाडू से कॉमरेड नेवेली पहुँचे, उनकी अंन्तिम यात्रा में शरीक हुए और उन्हें अश्रुपूरित विदाई दी। उनकी शादी कॉमरेड धनलक्ष्मी से हुई थी और एक पुत्री तथा एक पुत्र हैं। हमेशा उनका संघर्ष अपने परिवार और रिश्तेदारों को क्रान्तिकारी संघर्ष में, पार्टी और कॉमरेड शिवदास घोष के चिन्तन के सानिध्य में लाने का रहा।

कॉमरेड पी नारायणसामी 1988 में पार्टी के सम्पर्क में आए और दो साल बाद उन्हें पार्टी में शामिल कर लिया गया। वे उस समय एनएलसी में खदान मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। शुरूआत में उन्होंने एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र यूनिट एनएलसी की सोशल सर्विस सोसाइटी के तहत काम करने वाले विकलांग मजदूरों और विधवा मजदूरों के अधिकारों और जायज मांगों को लेकर काम किया। वे नेवेली में एआईडीवाईओ के स्थानीय सचिव और एआईडीवाईओ की वेल्लुपुरम-कुड्डालूर जिला सांगठनिक कमेटी के सहसचिव भी थे। उन्होंने युवा संगठन में आर्टीजन ट्रेनिंग युवाओं और ठेका मजदूरों को संगठित किया। उन्होंने 1989 के दौरान वेज रिवीजन आन्दोलन में ठेका मजदूरों को जीत दिलाने के लिए काम किया।

1995 में नेवेली में, सीआईएसएफ सशत्र बल तैनात किया गया जिसका उद्देश्य था मजदूर-विरोधी, भूमण्डलीकरण परस्त नई आर्थिक और औद्योगिक नीतियों को लागू करने के लिए एक दमनकारी बल के रूप में काम करना। इस तैनाती का जबरदस्त विरोध हुआ था। उन्होंने इस प्रतिवाद में सक्रिय हिस्सा लिया और सीआईएसएफ के साथ-साथ एनएलसी प्रशासन के आक्रमणों का सामना किया। नेवेली में उस समय नई मान्यप्राप्त यूनियनों (सीटू और एचएमएस) के समझौतावादी चरित्र की वजह से उन्होंने और अन्य समान सोच रखने वाले समर्थकों व कॉमरेडों ने एक सच्ची क्रान्तिकारी ट्रेड यूनियन की जरूरत को महसूस किया। इस प्रकार उनकी पहल पर एनएलसी के स्थाई मजदूरों और ठेका मजदूरों को लेकर नेवेली वर्कर्स यूनिटी सेंटर नाम से यूनियन गठित की गई। अपनी अंतिम सांस तक उन्होंने यूनियन के महासचिव के तौर पर काम किया। पिछले 18 सालों से उनके नेतृत्व में यूनियन ने तमाम आन्दोलनों में सक्रिय भागीदारी की। इनमें केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत राष्ट्रीय स्तर के आन्दोलन भी शामिल हैं। नेवेली में उन्होंने ठेका मजदूरों के लिए बोनस, न्यूनतम वेतन, पीएफ, स्थाई निवास, मेडिकल लाभों इत्यादि जैसी मजूरों की जायज मांगों को उठाया। वेतन और पेशन के लिए संघर्ष, आऊट सोर्सिंग, निजीकरण सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों, विशेषकर एनएलसी के शेयरों के विनिवेश के खिलाफ संघर्ष उनके नेतृत्व में संचालित किए गए। अनुशासनात्मक कार्रवाई के नाम पर प्रशासन ने उनके खिलाफ कदम उठाए। वजह थी मजदूरों के अधिकारों और मांगों के लिए उनका सतत संघर्ष। मजदूर हितों के लिए उनके समर्पण, सदा मुस्कुराते चेहरे, उनके पास सहज पहुँच और धीरता ने एनएलसी के ठेके और स्थाई मजदूरों के बीच उन्हें स्वीकार्य और चहेता नेता बना दिया था। हालांकि वे प्रबंधन के लिए आंख की किरकिरी थे। फिर भी उनकी इमानदारी और निष्ठा की वजह से अधिकारी भी उनकी इज्जत करते थे। अन्य ट्रेड यूनियनों के साथ मतभेद के बावजूद उनका प्रयास संयुक्त ट्रेड यूनियन आन्दोलन गठित करने के लिए रहा। नेवेली के साथ-साथ बुड्डालोर जिले में तमाम ट्रेड यूनियन नेतागण उन्हें श्रद्धा करते थे और एसयूसीआई(सी) के प्रति भी लोगों का सम्मान बढ़ा।

वे एनएलसी के ठेका मजदूरों के लिए स्थाई रिहायशी प्लाटों के लिए लड़े जो विभिन्न झुग्गी बस्तियों में रह रहे थे। नेवेली झुग्गी वासी संघर्ष कमेटी द्वारा उनके नेतृत्व में तीन वर्षों से भी अधिक समय तक निरन्तर आन्दोलन संगठित किया गया। नेवेली के 13000 ठेका मजदूरों को पक्का करने के लिए छेड़ा गया संघर्ष। ठेका मजदूरों की यूनियन के संयुक्त फोरम में उन्होंने एक अगुआ और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, स्कूल और कॉलेज टीचरों तथा महिलाओं पर हमलों के खिलाफ संघर्षों में भी हिस्सा लिया, लगभग 3500 असंगठित मजदूरों को तमिलनाडू जनरल वर्कर्स यूनियन का सदस्य बनाया और तमिलनाडू गवर्नमेण्ट लेबर वेलफेयर डिपार्टमेण्ट से उनके जायज हित लाभ दिलाने के लिए कठिन परिश्रम किया।

सड़क हादसे के दौरान लोगों ने कार का न. नोट कर लिया था। उसी के आधार पर नेवेली थर्मल पोलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। लेकिन अपराधी को पकड़ने की बजाए पुलिस उनका बचाव कर रही है। जब तमिलनाडू एआईयूटीयूसी के सचिव कॉमरेड वी शिवकुमार के नेतृत्व में यूनियन के नेतागण और समर्थक नेवेली थर्मल पुलिस स्टेशन गए और मांग की कि अपराधी को तुरन्त गिरफ्तार

किया जाए तो पुलिस ने उल्टे कॉमरेड शिवकुमार के खिलाफ उत्तेजना फैलाने और सरकारी कामकाज में बाधा पहुँचाने की धारा लगाकर मुकदमा दर्ज कर दिया।

6 मई को कॉमरेड नारायणसामी के शव को उनके घर के बाहर रखा गया था ताकि लोग उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। तमिलनाडू राज्य सांगठनिक कमेटी एसयूसीआई(सी) के सचिव कॉमरेड ए रंगासामी ने और टीएनएसओसी के सदस्य तथा बितलुपुरम-कुड्डालोर जिला सांगठनिक कमेटी एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के सचिव कॉमरेड अनवरतन ने पुष्पांजलि अर्पित की।

एआईयूटीयूसी तमिलनाडू के सचिव और उपाध्यक्ष कॉमरेड शिवकुमार और एस. गणेशन ने अपनी श्रद्धांजलि दी। तमिलनाडू के पार्टी जनसंगठनों की ओर से कॉमरेड एम.जे. वोल्टेयर (सचिव एआईडीएसओ), कॉ. सुमति (सचिव एआईएमएसएस), कॉ. चन्द्र, सचिव (बिल्लुपुरम-कुड्डालोर जिला कमेटी एआईएमएसएस) और कॉ. सेबास्टियन (एआईडीवाईओ) ने कॉ. नारायणसामी को श्रद्धांजलि दी। नेवेली वर्कर्स यूनिटी सेण्टर के पदाधिकारियों कॉ. बाबू और कॉ. गौतम ने भी असंगठित मजदूरों की यूनियन की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित की।

अन्य यूनियनों एलपीएफ, सीटू, एटक, डीटीयूसी, पीटीएस के नेताओं और कॉमरेड नारायणसामी के सहकर्मियों ने भी अपनी श्रद्धांजलि दी।

11 मई को नेवेली टाऊनशिप के कम्युनिटी हाल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में एनएलसी में विभिन्न ट्रेड यूनियों के नेताओं, कॉमरेडों, मजदूरों, परिवारों और दोस्तों ने हिस्सा लिया। सभा के शुरू में एसयूसीआई(सी) केन्द्रीय कमेटी सदस्य और एआईयूटीयूसी के उपाध्यक्ष कॉमरेड सी.के. लुकोस ने कॉमरेड पी. नारायणसामी के चित्र पर माल्यार्पण किया। पार्टी के राज्य, जिला तथा जनसंगठनों के नेताओं, एनएलसी में विभिन्न ट्रेड यूनियनों नेताओं व परिवार के सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य वक्ता कॉमरेड सी.के. लुकोस, ए रंगासामी तथा एआईडीवाईओ, एआईएमएसएस, एआईडीएसओ के नेताओं तथा विभिन्न ट्रेड यूनियन नेताओं ने भी सम्बोधित किया। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड ए अनवरतन ने की।

नर्सिंग छात्रों ने निकाली जिला स्तरीय रैली

गुना, मध्य प्रदेश : 27 अप्रैल को नर्सिंग छात्र-छात्राओं की जिला स्तरीय रैली आयोजित की गई जिसमें सैकड़ों की संख्या में नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने शिरकत की। रैली को डी.एस.ओ. के ऑल इंडिया सचिव मंडल सदस्य कॉ. सचिन जैन व महिला सांस्कृतिक संगठन की नगर अध्यक्ष एडवोकेट कॉ. सीमा राय ने भी समर्थन दिया व कहा कि छात्रों के संघर्ष में वे हमेशा साथ होंगे। रैली को नर्सिंग छात्र संघर्ष समिति के जिला संयोजक अजीत सिंह पंवार, सत्यपाल किरार, समरथ पाल, रचना कुशवाह ने भी संबोधित किया, ज्ञापन का वाचन मधुरिमा ने किया व संचालन नर्सिंग छात्र संघर्ष समिति के सहसंयोजक गिर्राज सैनी ने किया।

सरकार ने हाल ही में एक घोर छात्र-विरोधी नीति लागू की है। नर्सिंग भर्तियों में सरकार द्वारा नर्सिंग छात्रों के साथ लिंग आधारित भेदभाव भी किया गया है। इसके खिलाफ नर्सिंग छात्र संघर्ष समिति लम्बे अरसे से आंदोलन संचालित कर रही है।

फीस वृद्धि के खिलाफ छात्र प्रदर्शन

लखनऊ, (उ.प्र.): विश्वविद्यालय में यू.जी. व पी.जी. सहित विभिन्न नियमित विषयों में हुई फीस वृद्धि के विरोध में 12 मई को ए.आई.डी.एस.ओ. ने परिसर के गेट नम्बर एक पर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर वि.वि. प्रशासन का पुतला जलाने की तैयारी कर रहे छात्रों को पुलिस बल ने घेर कर पुतले को अपने कब्जे में ले लिया और छात्रों को पुतला नहीं जलाने दिया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों को शान्तिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को बताकर कार्रवाई की मांग की। संगठन के संयोजक वीरेन्द्र त्रिपाठी की अयक्षता में हुई बैठक में केकेसी के छात्र नेता ज्योति रॉय ने फीस वृद्धि को नाजायज बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की।

R.N.I. No.- 43022/85
P.R.No.-DL(C)-01/1123/2012-2014
Posting at IPMBC on 7-8 and 22-23 Fortnightly , Date of Printing : 20 May, 2014

एसयूसीआई(सी) स्थापना दिवस पर जगह-जगह हुई जनसभाएं

बुढ़लाडा (पंजाब) : एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी के स्थापना दिवस पर 20 अप्रैल को बुढ़लाडा में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एफसीआई वर्कर्स हाल में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा के मुख्य वक्ता पार्टी की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य कॉ. सत्यवान थे। सभा की अध्यक्षता कॉ. अमिन्दर पाल सिंह ने की और संचालन कॉ. इन्दर सिंह जोधा ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए कॉ. सत्यवान

जयपुर(राजस्थान) : एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी के स्थापना दिवस पर 27 अप्रैल को यहां सभा का आयोजन किया गया। इसमें काफी सारे छात्र-नौजवानों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सभा के मुख्य वक्ता पार्टी की केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉ. सत्यवान थे। सभा की अध्यक्षता कॉ. दयाल सिंह ने की और संचालन कॉ. रामस्वरूप सैनी ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए कॉ. सत्यवान

रिवाड़ी (हरियाणा) : 27 अप्रैल को रिवाड़ी में एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी के स्थापना दिवस पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा के मुख्य वक्ता पार्टी के जिला सचिव कॉ. राजेन्द्र सिंह थे। सभा को एआईकेकेएमएस के राज्य सचिव कॉ. विजय कुमार, एआईडीवाईओ के कॉ. शेर सिंह ने भी सम्बोधित किया। सभा की अध्यक्षता कॉ. बलराम यादव ने की और संचालन कॉ. रामकुमार ने किया

सभा को संबोधित करते हुए कॉ. राजेन्द्र सिंह

टोल टैक्स हटाने आदि की मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

झज्जर(हरियाणा): एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) झज्जर-रोहतक जिला कमेटी ने 13 मई को उपायुक्त कार्यालय झज्जर पर धरना दिया और प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर प्रदेश के सड़क मार्गों पर बनाए टोल नाकों को हटाने, टोल टैक्स वसूली बंद करने और गेहूँ की सरकारी खरीद पर 300रु. प्रति क्विण्टल का बोनस देने की मांग की। एसयूसीआई (सी) के जिला सचिव कॉ. अनूप सिंह व राज्य सचिव कॉ. सत्यवान के अलावा जिले सिंह, करतार सिंह अच्छेज, जयकरण माण्डौठी आदि नेताओं ने भी सभा को सम्बोधित किया।

कॉमरेड विमल नन्दी लाल सलाम

9 मई 2014 को 12 बजे गोवाहाटी में लम्बी बीमारी के बाद कॉमरेड विमल नन्दी का देहांत हो गया। वे मधुमेह और किडनी की पुरानी बीमारी से ग्रस्त थे जिसके लिए उन्हें नियमित डायलेसिस कराना होता था। वे एआईयूटीयूसी की असम स्टेट कमेटी के अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय कमेटी के उपाध्यक्ष थे। एआईयूटीयूसी के महासचिव कॉमरेड शंकर साहा ने अखिल भारतीय कमेटी व अपनी ओर से उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। संगठन के मुख्यालय पर दिवंगत नेता के सम्मान में पूरे दिन लाल झण्डा झुका रहा।

गत शताब्दी के छठे दशक के अन्तिम में सर्वहारा के महान नेता और हमारे संगठन के पूर्व अध्यक्ष कॉमरेड शिवदास घोष के विचारों के सम्पर्क में आने पर कॉमरेड नन्दी शोषण-उत्पीड़न के खिलाफ उच्च संस्कृति, नैतिकता और मूल्यों के आधार पर मजदूर आन्दोलन विकसित करने के लिए खुद को संलग्न किया। उन्होंने असम राज्य के अन्य नेताओं के साथ मिल कर निम्न ट्रेड यूनियन संगठनों को निर्माण किया। एस्क्वॅन इण्डस्ट्रीयल वर्कर्स यूनियन, आसाम आयुर्वेदिक प्रोडक्ट श्रमिक यूनियन, ऑल असम दुकान श्रमिक यूनियन, स्ट्रक्चरल मेनुफैक्चरिंग वर्कर्स यूनियन, माडर्न मेटल मोल्डर्स श्रमिक यूनियन, असम केनवास श्रमिक यूनियन, पुकरोस को श्रमिक यूनियन, किरण इण्डस्ट्री वर्कर्स यूनियन, इण्डस्ट्रीयल कॉ-आपरेशन श्रमिक यूनियन, असम बयान शिल्प संस्था श्रमिक यूनियन, फ्रेंच कार वर्कर्स यूनियन, असम कार्बन वर्कर्स एण्ड एम्पलाइज यूनियन, असम ट्रिब्यून इत्यादि।

राज्य के उत्पीड़ित लोगों के तमाम नेता-कार्यकर्ताओं से हम आग्रह करते हैं कि कॉमरेड विमल नन्दी द्वारा छोड़े गए अधूरे कामों को असम राज्य तथा देश में पूरा करने के लिए आगे आएं।

महिला सम्मेलन का आयोजन

सागर (म.प्र.): ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन जिला सागर इकाई द्वारा 11 मई को आदर्श संगीत महाविद्यालय परिसर में महिला सम्मेलन किया गया।

सम्मेलन में आमंत्रित अतिथि प्रो. डी. सी. शर्मा रहे। जॉली सरकार ने देश में महिलाओं की वर्तमान स्थिति के लिए प्रचार माध्यमों में अश्लीलता, अपसंस्कृति एवं नशाखोरी को जिम्मेदार ठहराया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. रामअवतार शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के पूँजीवादी पितृसत्तात्मक समाज में महिलाएं न केवल दमन-उत्पीड़न बल्कि दोहरे शोषण की शिकार हैं।। पुरुष की वर्चस्ववादी मानसिकता के चलते महिलाओं को न केवल अपने कार्यस्थलों पर बल्कि घरों में भी दोहरे मापदण्डों का शिकार होना पड़ रहा है। महिलाओं की लड़ाई किसी एक पुरुष या एक महिला के खिलाफ नहीं है, यह लड़ाई अपने स्वयं को बदलते हुए और देश में वैज्ञानिक सोच पर आधारित सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलनों के माध्यम से आगे बढ़ानी होगी।

सम्मेलन में ऑल इण्डिया एमएसएस, सागर नगर कमेटी के गठन की घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष पूजा चौरसिया, उपाध्यक्ष जिज्ञासा मिश्रा, सचिव सोना कुशवाहा के पदों की घोषणा की गई। नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दिव्या जैन, मंजू पटेल, चढ़ार, सरिता पटेल चुनी गई।

टीएमयू में छात्रों की हो रही हत्याओं पर रोष जताया

मुरादाबाद (उ.प्र.) : तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय (टीएमयू) में 2 मई को पैरामेडिकल के छात्र शोभित वर्मा तथा 6 मई को पोलीटैक्निक के छात्र शुएब अहमद की रहस्यमय स्थिति में हुई मौतों के खिलाफ 8 मई को मुरादाबाद जिला अधिकारी कार्यालय पर एआईडीएसओ और एआईडीवाईओ ने संयुक्त रूप से जोरदार रोष प्रदर्शन किया तथा माननीय राज्यपाल के नाम मांगपत्र भेजा।

इस प्रदर्शन का नेतृत्व एआईडीएसओ की मुरादाबाद जिला अध्यक्षा कॉ. ऋतु चौधरी ने किया। जिलाधिकारी कार्यालय पर हुई सभा को सम्बोधित करते हुए कॉ. ऋतु चौधरी ने कहा कि टीएमयू में एक के बाद एक छात्र/छात्राओं की हो रही हत्या से मुरादाबाद की आम जनता तथा विशेष रूप से छात्र समुदाय मे भारी रोष है। राज्यपाल को भेजे ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि नीरज भड़ाना, नितिन उपाध्याय, शोभित वर्मा, शुएब अहमद सहित सभी हत्याओं/मौतों की न्यायिक जांच की जाए तथा इस विश्वविद्यालय को सरकार अधिग्रहण कर सरकारी विश्वविद्यालय घोषित करे।

प्रदर्शन को वरिष्ठ साहित्यकार माहेश्वर त्रिपाठी, डा. इंतजार आजाद, कॉ. हरकिशोर सिंह, भाषा तिवारी, फैज खान व कमलेश चहल ने भी सम्बोधित किया।

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) की ओर से कॉ. सत्यवान द्वारा 3ए/38, डब्ल्यू.ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली-5 से संपादित व प्रकाशित तथा परम्परा प्रिंटिंग प्रेस, बी-70/83, इण्डस्ट्रियल एरिया, लॉरेंस रोड, दिल्ली-35 से मुद्रित, दूरभाष:011-25726631, Email: sarvaharadrishtikon@gmail.com; sarvaharadrishtikon@yahoo.com